तारीख 29 नवमबर 2013

राज्य सभा में विपक्ष के नेता श्री अरुण जेटली का फेसबुक पोस्ट

मैंने पहले भी टिप्पणी की थी कि कांग्रेस पार्टी नरेन्द्र मोदी से निपटने में असमर्थ है। कांग्रेस के प्रधानमंत्री पद के अघोषित उम्मीदवार का जादू चल नहीं पा रहा है। इसके कारण उसके कुछ नेता ट्वीट और प्रेस कान्फ्रेंस का सहारा ले रहे हैं।

इस बीच नरेन्द्र मोदी का समूचे देश का दौरा जारी है। उनके श्रोताओं की प्रतिक्रिया अभूतपूर्व है। सेटलाइट टेलीविजन का पिछले दो दशकों में विस्तार और उनमें 24 घंटे प्रसारण होने के बाद, मैंने जनसभाओं में लोगों की कम होती दिलचस्पी देखी। नरेन्द्र मोदी की जनसभाओं ने उस दिलचस्पी को फिर जगा दिया है। रैलियों का माहौल रोमांचित करने वाला है। सरकारी अधिकारियों ने उन्हें मुख्यमंत्री के निर्वाचन क्षेत्र सरोजिनी नगर, नई दिल्ली में रैली करने की इजाजत नहीं दी। दिल्ली में होने वाली प्रधानमंत्री की रैली स्थगित कर दी गई ताकि उसी दिन मोदी की रैली से उनकी रैली की तुलना नहीं की जा सके।

मैंने पहले भी बताया था कि कांग्रेस का डर्टी ट्रिक डिपार्टमेंट (कुत्सित चाल चलने वाला विभाग) मोदी के खिलाफ आरोप लगाने के लिए असंतुष्ट पुलिस अधिकारियों और सरकारी अधिकारियों का इस्तेमाल कर रहा है। इसके बावजूद लोगों की राय में कोई बदलाव नहीं

आया है।

एक महत्वपूर्ण प्रकाशन जो पिछले एक दशक से भी ज्यादा समय से मोदी विरोधी अभियान चलाए हुए थे उसका अपने कुकर्मों के कारण पतन हो रहा है।

बड़ी संख्या में एनजीओ जिन्हें न जाने कहां-कहां से धन मिल रहा है और जिन्होंने अदालतों में मोदी के खिलाफ मामलों को जिंदा रखा हुआ है वे अभी तक उनके खिलाफ कोई सबूत लाने में सफल नहीं हो पाए हैं।

कांग्रेस पार्टी अब क्या करती? अचानक कुछ कथानकों और कुछ गैर कथानकों के साथ वेबसाइटों की एक श्रृंखला प्रकट हो गई।

मोदी के खिलाफ अभियान अब सिर्फ राजनैतिक दर्शन बनकर नहीं रह गया है। यह व्यापार भी है। इनमें से कुछ वेबसाइटें राई का पहाड़ बना रही हैं। कांग्रेस का डर्टी ट्रिक डिपार्टमेंट व्यावसायिक दृष्टि से फल-फूल रहा है। यह अलग बात है कि ट्रिक्स गंदगी फैलाने में नाकाम रही हैं।